

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—34-403 (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tf. 42]

मई विल्ली, बुधवार, जनवरी 24, 1990/माध 4, 1911

No. 42] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 24, 1990/MAGHA 4, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती हो जिससे कि यह अलग संकलन के रूप के रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

विस्त मंस्रालय

(ग्राधिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

प्रधिन्चना

नई बिल्ली, 22 जनवरी, 1990

का.आ. 77(अ).--राज्य विनीय निगम प्रधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 4 की उप-भारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्ट्रीय सरकार भारतीय भीदीगिक विकास वैंक की सिकारिया पर, एतरद्वारा, राजस्थान विनीय निगम की प्राधिकृत पूंजी की एक सी करोड़ उपए तक बदाती है।

> [ग़फ़: सं. 5(4)/87-प्रार्ष: एफ:-II] गुच: एस: कुमार, उप संविध

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January, 1990

S.O. 77 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government, on the recommendation of the Industrial Development Bank of India, hereby increases the authorised capital of the Rajasthan Financial Corporation upto one hundred crores of rupees.

[F. No. 5 (4) [87-1F,11] H. S. KUMAR, Dy. Secy.